

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का चाणक्य रक्षा संवाद 2025 में संबोधन

नई दिल्ली : 27.11.2025

चाणक्य रक्षा संवाद के तीसरे संस्करण में आपके बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह प्रसन्नता की बात है कि रणनीतिकार, शिक्षा जगत और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित सदस्यों तथा सैनिकों द्वारा उन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा जिनसे हमारे राष्ट्र का सुरक्षा परिदृश्य बना है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर उत्कृष्टता और देशभक्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हर सुरक्षा चुनौती चाहे वह पारंपरिक हो, उग्रवाद-रोधी हो या मानव सहायता करना हो, इन सबके दौरान हमारी सेनाओं ने परिस्थितियों के हिसाब से उल्लेखनीय दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। ऑपरेशन सिंदूर की वर्तमान सफलता हमारी आतंकवाद-विरोधी और समापन रणनीति का एक निर्णायक पल है विश्व ने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को सराहा बल्कि शांति स्थापना के लिए दृढ़ता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की भारत की नैतिक स्पष्टता को भी ध्यान से देखा

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि अपनी ऑपरेशनल भूमिका के अलावा भारतीय रक्षा बल राष्ट्रीय विकास का भी स्तंभ बने हुए हैं। हमारी सीमाओं को मजबूत करने के अतिरिक्त उन्होंने बुनियादी ढाँचे, कनेक्टिविटी, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में भी सहयोग दिया है।

देवियो और सज्जनो,

आज का भू-राजनीतिक क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। शक्ति केंद्रों में प्रतिस्पर्धा, तकनीकी व्यवधानों और बदलते गठबंधनों के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था एक नया रूप ले रही है। प्रतिस्पर्धा के नए क्षेत्र - साइबर, अंतरिक्ष, सूचना और संज्ञानात्मक युद्ध - शांति और संघर्ष के बीच के अंतर को कम करते जा रहे हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम् के हमारे सभ्यतागत सिद्धांत से प्रेरणा लेकर हमने यह साबित किया है कि रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक उत्तरदायित्व का सह-अस्तित्व संभव है। हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल मिलकर शांतिपूर्ण भारत के लिए कार्य करते हैं, लेकिन हम अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की शक्ति और दृढ़ विश्वास के साथ रक्षा करने के लिए तैयार हैं

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि परिवर्तन के दशक के दौरान सेना, मात्रात्मक परिणामों के माध्यम से स्वयं में परिवर्तन ला रही है। संरचनाओं में सुधार किया जा रहा है, सिद्धांतों में परिवर्तन किया जा रहा है और सभी क्षेत्रों में भविष्य के लिए तैयार रहने तथा मिशन-सक्षम होने के लिए क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि इन रक्षा सुधारों से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी

यह प्रसन्नता कि बात है कि सेना युवाओं और मानव पूंजी में निवेश कर रही है। इससे शिक्षा, एनसीसी विस्तार और खेलों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का संचार हो रहा है भूमिका और जिम्मेदारी दोनों क्षेत्रों में युवा महिला अधिकारियों और सैनिकों का योगदान बढ़ाकर समावेशिता की भावना को बढ़ावा दिया जाए इससे और अधिक युवा महिलाएं भारतीय सेना में शामिल होने और अन्य व्यवसायों को भी अपनाने के लिए प्रेरित होंगी

मैं अपेक्षा करती हूं कि इस संवाद में की जाने वाली चर्चा और इसके परिणाम से नीति निर्माताओं को हमारी राष्ट्रीय नीति की भावी रूपरेखा तैयार करने के लिए बहुमूल्य समझ और गहरी होगी मुझे विश्वास है कि हमारे सशस्त्र बल उत्कृष्टता से कार्य करते रहेंगे और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प और निश्चय के साथ आगे बढ़ते रहेंगे

मैं आप सब के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

धन्यवाद,
जय हिंद!
जय भारत!